BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL

(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

Sarvada Sarva shreshth
HOLISTIC DEVELOPMENT

STUDY COURSE MATERIAL

SANSKRIT

SESSION-2020-21

CLASS-VIII

TOPIC:

वर्ण – विचार

DAY-1

❖ **TEACHING MATERIAL**

वर्ण – वर्ण उस मूल ध्वनि को कहते हैं जिसके खण्ड या टुकडे. नहीं किए जा सकते ।

वर्ण के दो भेद होते हैं–

1. स्वर वर्ण   2. व्यंजन वर्ण

1. स्वर वर्ण – जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता से हो उन्हें स्वर वर्ण कहते हैं।
   स्वर वर्ण 13 हैं, इसके 3 भेद हैं–

   क. ह्रस्व स्वर – जिनके उच्चारण में एक मात्रा का समय लगता है । ये 5 हैं–
   अ ,इ , उ , ऋ , लृ

   ख. दीर्घ स्वर – जिनके उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है । ये 8 हैं–

   आ , ई , ऊ , ॠ , ए ,ऐ , ओ , औ

   ग. प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में दो से अधिक मात्रा का समय लगता है । ओऽम्

VIDEO-LINK

1- https://youtu.be/_wqcgri_NXs
2- https://youtu.be/4eJBGwtad-E

DAY-2

❖ **TEACING MATERIAL**

व्यंजन वर्ण –जिन वर्णों के उच्चारण स्वर वर्णों की सहायता से की जाती है । ये 3 प्रकार के होते हैं–

स्पर्श , अन्तःस्थ और ऊष्म

स्पर्श – जिन वर्णों के उच्चारण के समय जीभ मुँह के किसी न किसी भाग को स्पर्श करती है , इसे वर्गीय व्यंजन भी कहा जाता है । ये 5 वर्गों में बाँटे गए हैं और प्रत्येक वर्ग में 5 वर्ण होते हैं–

वर्गीय व्यंजन 25 हैं– कवर्ग – क् , ख् , ग् , घ् , ङ्

चवर्ग – च् , छ् , ज् , झ् , ञ्

टवर्ग – ट् , ठ् , ड् , ढ् , ण्

तवर्ग – त् , थ् , द् , ध् , न्

पवर्ग – प् , फ् , ब् , भ् , म्

अन्तःस्थ – जिन वर्णों के उच्चारण में जीभ मुख के किसी भाग का पूर्णतया स्पर्श न करके मुख के बीच से उच्चारण होता है ।ये 4 हैं :– य् , र् , ल् , व्

उष्म – जिन वर्णो के उच्चारण में वायु मुख से रगड़ खाकर गर्मी पैदा करता है । ये 4 हैं–

श् , ष् , स , ह्

अयोगवाह – ये 2 वर्ण हैं– अनुस्वार ं , विसर्ग : ।

अनुस्वार – कंकण ,अंक
विसर्ग –रामः ,जनकः

❖ VIDEO-LINKS

https://youtu.be/Rw3JxwsftME

DAY-3

TEACHING MATERIAL

वर्ण – वियोजन–

स्वर और व्यंजन वर्णों को अलग करने की प्रकिया वर्ण वियोजन कहलाता है।

क्मलम् – क्+अ+म्+अ+ल्+अ +म्

छात्रः –छ् + आ + त् + र् + अः

वर्ण –संयोजन – स्वर और व्यंजन वर्णों को जोडने की प्रक्रिया वर्ण संयोजन कहलाता है।

ब् + आ + ल् + क् + अः – बालकः

प् + इ + त् + आ – पिता

संयुक्त वर्ण– क्ष –क्+ष , त्र – त् +र , ज्ञ –ज् + ज , श्र –श् + र

वर्ण विच्छेद करें– पाठशाला , पुष्पम् , अश्वः ,क्षत्रियः , विद्यार्थी

वर्ण संयोजन करें–व् + इ + द्+ य् +आ , क् +ष् + अ+ म् + आ , अ +भ् + आ + स् +अः

VIDEO LINKS

https://youtu.be/4vWKXxrGa3s

DAY-4

TEACHING MATERIAL

उच्चारण स्थानानि– वर्णों को बोलने के लिए मुख के जिस भाग का ज्यादा सहायता करता है उसे उस वर्ण का उच्चारण स्थान कहा जाता है ।

1. कण्ठः – अ ,आ , कवर्ग ,ह्, विसर्ग
2. तालु :– इ , ई ,चवर्ग ,य् ,श्
3. मूर्धा – ऋ , ॠ , टवर्ग , र् , ष्
4. दन्त – ऌ , तवर्ग ,ल् , स्
5. ओष्ठ – उ , ऊ ,पवर्ग
6. कण्ठतालू –ए , ऐ
7. कण्ठौष्ठ – ओ , औ
8. दन्तौष्ठ – व
9. नासिका – स्व–वर्गीय पंचम वर्ण ,अनुस्वार

निम्न वर्णों के उच्चारण – स्थान लिखें –
उ , त , च , ऋ , व , प , अ , ल

❖ VIDEO-LINKS

https://youtu.be/3rFN_dcsMKk

DAY-5

अभ्यास – कार्य

1. स्वर वर्ण कितने हैं?
2. वर्गीय व्यंजन कितने हैं?लिखें ।
3. किस वर्ण के उच्चारण में स्वर की सहायता ली जाती है?
4. एक वर्ग में कितने व्यंजन होते हैं?
5. स्वर और व्यंजन वर्ण को अलग करने की प्रकिया क्या कहलाती है?
6. स्वर और व्यंजन वर्णों को अलग कर लिखें ।
   ऋ , ष् , ह् , ए ,इ , उ , क् , म् , ज् , द् , श् , अ ,ओ
7. निम्न वर्णों को लिखें –
   अन्तःस्थ –
   उष्म –
   स्पर्श ––
   ह्रस्व ––
   प्लुत ––

8.शब्द रूप लिखें–
   1. बालक
   2. बालिका

8. धातु रूप लिखें– पांचों लकार में लिखें–
   1. पठ्
   2. गम्